मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में पोस्त की भूसी पर आधारित संयंत्र की स्थापना

*604. **श्री फूल चन्द वर्मा** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में पोस्त की भूसी पर आधारित जो संयंत्र स्थापित किया जाना था वह नहीं लगाया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो उपरोक्त संयंत्र की स्थापना स्थगित किये जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) मंदसौर और रतलाम के उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां से इस संयंत्र को स्थापित करने के लिए अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे और मंदसौर नीमच और जाओरा से प्राप्त अभ्यावेदनों पर यह निर्णय लिये जाने के क्या कारण हैं कि वहां पर संयंत्र स्थापित करना संभव नहीं है; और

(घ) क्या इस संयंत्र को स्थापित करने का प्रश्न अभी भी विचाराधीन है ?

वित्त मंत्री (श्री आर० वेंकटरामन) (क) से (घ) : सरकार ने, पोस्त के चीरा लगे डोडों से अल्कालायड निकालने के लिए विदेशी तकनीकी सहयोग से एक संयंत्र लगाने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी । लेकिन बाद में विदेशी सहयोगियों ने स्वीकृत शर्तों पर, तकनीकी जानकारी उपलब्ध करने से इन्कार कर दिया । इसलिए अब किन्हीं अन्य विदेशी निर्माताओं से उपयुक्त तकनीकी जानकारी प्राप्त करने के प्रश्न पर विचार किया जा रहा है ।

(ग) मध्य प्रदेश सरकार ने संयंत्र लगाने के लिए निम्नलिखित स्थान प्रस्तावित किए थे :—

(i) मंदसौर	(ii) नीचम
(iii) रतलाम	(iv) जावरा
(v) शामगढ	(vi) सुवासरा

इस संयंत्र को इन्हीं स्थानों में से किसी एक अथवा दूसरे स्थान पर लगाये जाने के बारे में अनेक दरख्वास्तें भी प्राप्त हुई थीं । सुवासरा और शामगढ इस परियोजना के लिए बिलकुल अनुपयुक्त पाये गये थे क्योंकि इन स्थानों पर उक्त परियोजना के लिए अपेक्षित जल उपलब्ध नहीं है । जावरा में भी कोई उपयोगी बुनियादी सुविधाएं अथवा औद्योगिक आधार व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी और इसलिए इसे भी उक्त परियोजना के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया । इसलिए, मैसर्स इन्जयीनयर्स इण्डिया लिमिटेड ने, जो इस परियोजना के लिए हमारे परामर्शदाता हैं, कच्ची सामग्री, रसायनों, भूमि, आधार–व्यवस्था की उपलब्धता, अपशिष्ट के निपटान और चीरा लगे डोडों को कारखाने तक ले जाने में आने वाली लागत की दृष्टि से इस परियोजना के लिए मध्य-प्रदेश-स्थित रतलाम, मंदसौर और नीमच और राजस्थान स्थित कोटा में स्थानों की जांच की और विस्तृत अध्ययन के बाद, संयंत्र की स्थापना के लिए रतलाम और कोटा की सिफारिश की । परन्तु उन्होंने यह राय जाहिर की कि रतलाम के मुकाबले कोटा में उत्पादन की वार्षिक लागत पांच लाख रुपये अधिक होने का अनुमान है । विस्तारपूर्वक सोच-विचार के बाद सरकार ने संयंत्र रतलाम में लगाने का निर्णय किया ।

Condemned Avro Carrying Cargo to Middle East

*605. SHRI H. N. NANJE GOWDA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Pushpak Aviation Private Limited, Bombay purchased condemned Avro and other aircraft from Indian Airlines and some other companies and if so, details thereof;

(b) whether it is a fact that the said Company undertook to use these aircraft to carry cargo to Middle East and other countries; and

(c) whether it is also a fact that the above Company has now applied for permits to carry passengers to other countries in these condemned aircraft and if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT AND TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI A. P. SHARMA): (a) No. Sir. Pushpak Aviation Private Limited, Bombay, purchased a Caravelle aircraft from Indian Airlines, in 1979. The aircraft has a vaild certificate of airworthiness.

(b) The Company have been permitted to carry cargo from Bombay to Sharjah in the above aircraft

(c) The Company have been permitted to carry deck passengers between Bombay and Sharjah. They have also applied for carriage of passengers between Bombay and Colombo, which is under consideration.